भारत सरकार

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1593

दिनांक 03 मई, 2016 के लिए प्रश्न

विषय:- औद्योगिक घरानों द्वारा दुग्ध उत्पादन

1593. श्री राम कुमार शर्माः

क्या कृषि और कृषक कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या बहुराष्ट्रीय कंपनियों सहित देश के बड़े औद्योगिक घरानों ने दुग्ध् उत्पादन क्षेत्रों में कोई विशेष भूमिका निभाना प्रारंभ किया है, विशेषकर विगत एक दशक में इस क्षेत्र के निरंतर विकास और विस्तार को देखते हैं;

(ख) यदि हां, तो दिसम्बर 2015 की समाप्ति तक देश में उक्त क्षेत्र के घरेलू और विदेशी औद्योगिक घरानों की कुल संख्या कितनी है;

(ग) इस क्षेत्र में इन औद्योगिक घरानों के पूंजी निवेश की औसत राशि कितनी है; और

(घ) इन औद्योगिक घरानों के दौरान औसत वार्षिक गुणवत्ता का ब्यौरा और दुग्ध् लेन-देन का कुल मान कितना है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री मोहन भाई कुंडारिया)

(क) से (घ): भारतीय खाद्य सुरक्षा तथा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से प्राप्त सूचना के अनुसार, देश में बड़े औद्योगिक घरानों/बहुराष्ट्रीय कम्पिनयों द्वारा उत्पादित दूध से संबंधित कोई अलग आंकड़े नहीं रखे जाते अथवा न ही उपलब्ध हैं। तथापि, देश में दुग्ध उत्पादन यूनिटों को खाद्य सुरक्षा तथा मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण द्वारा 349 लाइसेंस तथा राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण द्वारा 1091 लाइसेंस प्रदान किए गए हैं।

भारत में डेयरी व्यवसाय को कृषि की संबद्ध गतिविधि के रूप में माना जाता है। देश में अधिकांश दूध छोटे तथा सीमांत किसानों द्वारा उत्पादित किया जाता है। देश में उत्पादित लगभग 48% दूध अधिशेष है तथा विपणन के लिए उपलब्ध है। असंगठित सेक्टर द्वारा हैंडल किए जा रहे कुल दूध उत्पादन का 28% तथा संगठित सेक्टर का 20% सहकारिताओं तथा निजी डेयरियों द्वारा बराबर रूप से साझा किया जा रहा है।

सरकार की विवेकपूर्ण नीतियों के परिणामस्वरूप, भारत सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बना हुआ है। देश में दूध का उत्पादन 2010-11 के 121.8 मिलियन टन से बढ़कर 2014-15 में 146.3 मिलियन टन हो गया। यह पिछले पांच वर्षों के दौरान 4.7% से अधिक की औसत वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। डेयरी सहकारिताओं ने 2010-11 के 26.2 मिलियन किग्रा प्रतिदिन के अपने दुग्ध संग्रहण को बढ़ाकर 2014-15 के दौरान 37.95 मिलियन किग्रा प्रतिदिन कर दिया। यह पिछले पांच वर्षों के दौरान डेयरी सहकारिताओं द्वारा दूध की खरीद में 9.8% की औसत वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। यह दर्शाता है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान सहकारी डेयरी सेक्टर में बहुत अधिक विकास हुआ है। सहकारी सेक्टर घरेलू बाजार में तरल दूध की आपूर्ति में मुख्य भूमिका निभाता है। तथापि, निजी सेक्टर भी दूध इकट्ठा करने में बराबर रूप से शामिल है तथा मुख्यत: दूध पाउडर, घी, मक्खन इत्यादि जैसे दुग्ध उत्पादों को तैयार करने में लगा हुआ है।

*****